MT - 115

2014 .... 1100 **Seat No.** | | | | | | | |

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - III

Time : 2 Hours **(Pages 3)** **Max. Marks : 40**

सूचना : शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

प्रश्न 1. अ) निम्नलिखित विधान के साथ दिए गए विकल्पों में से पठित गद्यपाठों के आधार पर सही विकल्प जोड़कर प्रत्येक विधान पूर्ण वाक्य में लिखिए : **3**

1) साँप ने ..... दाँत निकलवा दिए। (नम्रतापूर्वक/अनुमतिपूर्वक / इच्छापूर्वक)
2) आरक्षणखिड़की पर एक लंबी ..... थी। (भीड़ /पंक्ति/कतार)
3) वाराणसी में ..... नामक राजा रहता था। (गुरूदत्त /ब्रह्मदत्त /देवदत्त)

आ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं तीन</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **3**

1) मुंशी जी की बेटी रोते समय किस गलत वाक्य को बोल रही थी ?
2) मदर टेरेसा का जन्म कब और कहाँ हुआ ?
3) भारत के समकालीन किन देशों की सभ्यताएँ नष्ट हो गई हैं ?
4) 'शील ' की दृष्टि से कौन - सा राजा बड़ा हो गया?
5) ऊदबिलाव ने किसकी प्रशंसा की थी ?

इ) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए। **6**

1) मुंशी जी ने बेटी की धुलाई क्यों की ? लोगों ने उनपर कैसे ताने कसे ?
2) मोहन के मन में देशप्रेम की भावना कब जाग उठी ?
3) रेल के बारे में व्यंग्य करते हुए लेखक ने क्या कहा है ?
4) बाहरी गंदे विचारों से दूर रहने वाले भारतदेश का वर्णन लेखक ने कैसे किया है ?

प्रश्न 2. क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए : **2**

1) चर्वित है उसका ..... ज्ञान ! (भूगोल / विज्ञान / तर्क)
2) धरती के ..... को तृप्ति दिलाती। (प्राणियों /मनुज / पक्षियों)

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल एक - एक वाक्य में लिखिए : **2**

1) आज जग के लोचन किसे ढूँढ रहे हैं ?
2) कोकिल के बोल किसकी धुन की तरह होते हैं ?
3) नदी किसमें निर्मल जल भरती है ?

ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए : **6**

1) गुरुनानक जी ने 'झूठी प्रीत' से दूर रहने की सलाह क्यों दी है ?
2) कोकिल किसानों की कैसी मदद करती है ?
3) नदी किन - किन बाधाओं का सामना करते हुए आगे बढ़ती है ?
4) घर - घर लहराने वाले तिरंगों का वर्णन कवि ने कैसे किया है ?

प्रश्न 3. च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए : **1**

1) सेठ रामलाल एक अच्छा और भला व्यक्ति है ।
2) वाह ! तुम्हारे विचार कितने अच्छे हैं ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए : **1**

1) फौरन 2) लिए

छ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का कोष्टक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए : **2**

1) बालक उछल रहा था । (पूर्ण भूतकाल)
2) कुष्ठरोगी स्वास्थ्यलाभ कर रहे हैं । (सामान्य वर्तमानकाल)
3) अपने आलोचकों की खोज में भ्रमण कर रहे हैं । (अपूर्ण भूतकाल)

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों के कालभेद पहचानिए : **1**

1) एक स्थान पर बाँध बना ।
2) ठाठ से पैर फैलाकर विराजे है ।
3) खरगोश रेलगाड़ी के साथ दौड़ रहा है ।

ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से किसी एक वाक्य को शुद्ध कीजिए : **2**

1) गुस्सा बेचारे बच्ची में उतार रहे हो !
2) सौभाग्य कि बात की गाड़ी समय पर थीं ।

ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए। 1

1) तिरँगा 2) केन्द्र

झ) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए। 2

1) गुम-सुम बैठना। 2) त्यौरियों पर बल पड़ना।
3) हैरान रह जाना।

प्रश्न 4. निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए : 6

1) फटी पुस्तक की आत्मकथा। 2) आदर्श विद्यार्थी।
3) यदि समाचारपत्र न होते .....। 4) मेरा प्रिय त्योहार।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए : 4

1) प्रेम / प्रतिमा वर्मा 4 / सी रूप दर्शन, रामपुर, थाना से स्वास्थ्य अधिकारी नगर परिषद, थाना को अपने मुहल्ले की गंदगी की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए शिकायत पत्र लिखता / लिखती है।
2) सुंदर / सुंदरी शर्मा, 15 /अ, शिवपुरी, नासिक से अपने प्रधानाध्यापक तिलक विद्यालय, इंद्रापथ, नाशिक के नाम अपनी बहन की बीमारी के कारण पाठशाला में तीन दिन की छुट्टी माँगने के लिए पत्र लिखता / लिखती है।

अथवा

निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे <u>चार प्रश्न</u> तैयार कीजिए, जिनके उत्तर <u>एक - एक वाक्य</u> में हो :

उन्नति के पथ पर चलनेवाला छात्र प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व ही उठ बैठता है। नित्य कर्मों से निवृत्त होकर वह स्नान करता है। तत्पश्चात् भगवान से प्रार्थना करता है कि वह सदा उसका पथ-प्रदर्शक रहे। पूजन के बाद व्यायाम करना उत्तम छात्र के लिए आवश्यक है। इसके बिना शरीर सबल, सुंदर और सुगठित नहीं हो सकता। जिस मंदिर में सुंदरता न हो, उसमें बैठनेवाली मूर्ति कभी सुंदर नहीं हो सकती। व्यायाम के बाद थोड़ा जलपान करना अत्यंत हितकर होता है। उसके बाद दैनिक समाचार पत्र भी देखना चाहिए, ताकि संसार, देश, नगर तथा पड़ोसी की गतिविधि का परिचय हो जाए। इसका ज्ञान न होने से कभी-कभी बड़ी हानि होती है। समाचार पठन के पश्चात् विद्यार्थी अपने पाठ्य-विषय का अध्ययन करता है, उस पर विचार तथा नवीन अभ्यास का प्रयत्न करता है।

Best Of Luck

MT - 115

2014 1100

MT - 115 - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - II - PAPER - III

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

उ. **1**.	अ) **पठित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 - 60 शब्दों में लिखिए :**	
1)	साँप ने **अनुमतिपूर्वक** दाँत निकलवा दिए ।	**1**
2)	आरक्षणखिड़की पर एक लंबी **कतार** थी ।	**1**
3)	वाराणसी में **ब्रह्मदत्त** नामक राजा रहता था ।	**1**
	आ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पठित पाठों के आधार पर एक - एक वाक्य में उत्तर लिखिए ।**	
1)	मुंशी जी की बेटी रोते समय इस गलत वाक्य को बोल रही थी कि 'हे भगवान, तूने यह क्या किया ? मेरी माँ को अपने पास बुलाकर तूने तो हमारे घर का चिराग ही गुल कर दिया ।'	**1**
2)	मदर टेरेसा का जन्म सन 1910 में युगोस्लाविया के स्कोप्य नगर में हुआ था ।	**1**
3)	भारत के समकालीन चीन, सुमेरिया, मिस्र, यूनान, रोम तथा मेसोपोटामिया की सभ्यताएँ नष्ट हो गई हैं ।	**1**
4)	'शील' की दृष्टि से राजा ब्रह्मदत्त बड़े हो गए ।	**1**
5)	ऊदबिलाव ने खरगोश की प्रशंसा की थी ।	**1**
	इ) **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पठित गद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए ।**	
1)	सुप्रसिद्ध लेखक 'लक्ष्मीचंद्र गुप्त' जी ने 'मुहावरे और मुंशी जी की सनक' पाठ में हास्य और व्यंग्यात्मक शैली में मुहावरों के अर्थपूर्ण उपयोग पर प्रकाश डाला है । मुंशी जी अव्वल दर्जे के सनकी और तुनुकमिजाजी थे । उनसे यह सहन नहीं हो पाया कि उनकी बेटी ही मुहावरे से गलत रोए और मुहावरे का गलत प्रयोग कर उसके अर्थ का अनर्थ कर दे । इसी बात पर अत्यंत आवेश में आकर उन्होंने अपनी ही बेटी की धुलाई कर दी । मुंशी जी का यह असामान्य व्यवहार देखकर वहाँ उपस्थित जन - समुदाय दंग रह गया । उन लोगों को लगा कि पत्नी के शोक में मुंशी जी का मानसिक संतुलन तो नहीं बिगड़ गया । एक बुजुर्ग ने हिम्मत जुटाकर मुंशी जी से पूछा कि तुम होश में नहीं हो क्या ? भगवान का तो तुम कुछ बिगाड़ नहीं पाओगे, इसलिए अपनी क्रूरता बेटी पर उतार रहे हो ? इस प्रकार जब मुंशी जी ने अपनी बेटी की धुलाई की तो लोगों ने उनके असामान्य व्यवहार पर ताने कसे ।	**3**

2)	सुप्रसिद्ध लेखक राधेश्याम 'प्रगल्भ' जी ने 'राहें अनेकः मंजिल एक' पाठ में नई युवा पीढ़ी को अपने देश के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास दिलाया है । मोहन इतिहास में भारत पर विदेशी हमलावरों के आक्रमण की कहानी पढ़ा करता था। उसे पढ़कर उसके खून में उबाल आता था । उसके लिए यह असहनीय था कि कोई विदेशी हुकूमत भारत पर अपना अधिकार जमाएँ । इस प्रकार मोहन के मन में देशप्रेम की भावना मातृभूमि पर विदेशियों के आक्रमण की कहानियों को पढ़ कर जाग उठी ।	**3**
3)	सुप्रसिद्ध लेखक 'शंकर पुणतांबेकर' जी ने 'एक रेल सफर की बात' पाठ में भारतीय रेल यात्रा में होने वाली असुविधाओं पर करारा व्यंग्य किया है । लेखक के अनुसार एक समय रेलसफर भी खेलसफर हुआ करता था लेकिन दुर्भाग्य से आज वह जेलसफर बन चुका है । यात्रा आरक्षण में ही यात्रियों को यातना आरक्षण के लिए लोहे के चने चबाने पड़ते हैं । यात्रियों को घंटों कतार में खड़े रहने पर हिमालय की चोटी रूपी टिकट खिड़की तक पहुँच पाना संभव हो पाता है । हालात यहाँ तक बदत्तर है कि कुछ लोग तो आरक्षण के लिए रात - रात भर वहीं पड़े रहने के लिए मजबूर है । रेलवे की घोषणाएँ भी अविश्वसनीय होती जा रही है । देर से आने वाली गाड़ी को भी समय पर आने वाली गाड़ी के रूप में घोषित किया जाता है । सामान्य आदमी के लिए तो डिलक्स या राजधानी गाड़ी दुर्लभ ही रही है । टिकट खिड़की पर 'जेबकतरों' से सावधान रहने की सूचना लिखी रहती है जबकि प्लेटफॉम पर लगे विज्ञापन भी जनता के लिए 'जेबखतरे' बनते जा रहे हैं । इस प्रकार लेखक ने रेल व्यवस्था की अव्यवस्था के बारे में बड़े चुटीले व्यंग्य किए है ।	**3**
4)	सुप्रसिद्ध लेखक 'विजय अग्रवाल' जी ने 'राष्ट्रीय एकता' पाठ में देश की 'विविधता में एकता' के भाव को दर्शाया है । लेखक के अनुसार भारत संस्कृति - प्रधान देश रहा है । यहाँ की संस्कृति में सत्य, नैतिकता, ईमानदारी और अहिंसा को सर्वोपरि स्थान दिया गया है । भारतीय संस्कृति आध्यात्मिकता के रंग से सराबोर है । भारत में बहने वाली देव नदी 'गंगा' यहाँ के सदविचारों की पहचान है, जो दूसरों की बुराईयों, पापों को भी अपने में समाकर, उन्हें निर्मल और पवित्र बना देती है । हम भारतीयों का सौभाग्य हैं कि ऐसी पवित्र गंगा वाला गौरवशाली भारत देश हमारी 'मातृभूमि', 'पुण्यभूमि' और 'कर्मभूमि' है । इस प्रकार बाहरी गंदे विचारों से दूर रहने वाले भारत देश का वर्णन लेखक ने एक महानतम देश के रूप में किया है ।	**3**
उ.**2**.	**क) निम्नलिखित पद्यपंक्तियाँ पूर्ण कीजिए :**	
1)	चर्वित है उसका **<u>विज्ञान</u>** ज्ञान !	**1**
2)	धरती के **<u>प्राणियों</u>** को तृप्ति दिलाती ।	**1**

	ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर केवल <u>एक - एक वाक्य</u> में लिखिए :	
1)	आज जग के लोचन <u>बापू (महात्मा गांधी) को</u> ढूँढ़ रहे हैं ।	**1**
2)	कोकिल के बोल <u>बंसी (श्रीकृष्ण की मनमोहक बांसुरी) की धुन की</u> तरह होते हैं ।	**1**
3)	नदी <u>घाटियों रूपी गहरे कटोरों</u> में निर्मल जल भरती है ।	**1**
	ग) निम्नलिखित प्रश्नों में से <u>किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर पठित पद्यपाठों के आधार पर संक्षेप में लगभग पचास - साठ शब्दों में लिखिए :	
1)	संतकवि 'नानकदेव' जी ने 'संतवाणी' कविता में मानवजीवन में निरपेक्षता का महत्त्व तथा झूठ - मूठ का प्रेम करने वाले झूठे लोगों का वर्णन किया है । नानक जी जग की प्रीत को झूठा मानते हैं । नानक जी के अनुसार जग में सभी लोग अपने ही सुख के पीछे लगे रहते हैं । चाहे कोई रिश्तेदार हो या मित्र, सभी अपनेपन और मित्रता का झूठा दिखावा करते हैं । असल बात यह है कि वे सभी अपना ही फायदा सभी बातों में ढूँढ़ते रहते हैं । जब हमारे जीवन में कोई संकट आता है कोई भी रिश्तेदार या मित्र मदद का हाथ नहीं बढ़ाता, सभी झूठे बहाने बनाते हैं । इसके बावजूद हमारा मन चंचल होता है, मूर्ख होता है । मानव मन इस कड़वे सच को समझता ही नहीं बल्कि झूठे प्रेम में उलझता ही रहता है और अंत में उसे सच्ची प्रीत हासिल नहीं होती । इसप्रकार संतकवि नानक जी ने झूठी प्रीत से दूर रहने के लिए सलाह दी है क्योंकि जग की झूठी प्रीत छोड़कर, सच्चे प्रेम और सुख के लिए प्रभु गीतों में लीन होकर, उसमें अपने हृदय को डूबोकर इस संसार रूपी भवसागर को पार करने में सफलता मिल सकती हैं ।	**3**
2)	सुप्रसिद्ध कवि 'महावीर प्रसाद द्विवेदी' जी ने 'कोकिल' कविता में पक्षीजगत की एक आकर्षक पक्षी कोयल का वर्णन किया है । कोयल एक अद्भुत चिड़िया है । उसकी ख्याति मधुरता से कूकना ही है । वंशी जैसी अपनी मधुर तान से वह सबके दिल में जगह बना लेती है । उसके कई गुणों में से एक मनभावन गुण यह भी है कि जब चैत के महीने में खेतों में लहलहाती फसलों में कीड़े लग जाते हैं । इन कीड़ों से अनाज की फसलें नष्ट हो सकती है । अनाज की ये फसलें ही किसान को अन्नदाता बनाती है, किसान के जीवन को सजाती और सँवारती है । इन फसलों के तबाह होने से किसानों की उम्मीदें टूट सकती है । अनाज के पौधों में लगनेवाले कीड़ों को कोयल अपना भोजन बनाकर फसलों को सुरक्षित रखती है । इस प्रकार कोकिल कीड़ों को खाकर, फसल के पौधे की रक्षा करते हुए किसानों की मदद करती है ।	**3**
3)	सुप्रसिद्ध कवयित्री 'संयुक्ता लूदरा' जी ने 'नदी हूँ मैं' कविता में नदी के अखंड और अथक प्रवाह का वर्णन किया है ।	**3**

	नदी का उद्गम किसी पर्वत अथवा झील से होता है। जन्म लेने के बाद वह बहुत ऊँचाई से नीचे गिरती है और झरने का रूप धारण कर झर - झर बहती जाती है। वह पर्वतों से उछलकर बाहर छलकती है तब वह खूब ऊफान पर होती है और अपने प्रचंड वेग से बड़ी - बड़ी चट्टानों को भी चकनाचूर कर देती है। पहाड़ों की ऊँचाई से नीचे आने पर उसे गहरी घाटियों की सैर करनी पड़ती है। घाटियों से गुजरकर उसे बीहड़ों से जूझना पड़ता है। जनहीन जंगलों से गुजरते हुए खुद अपना मार्ग प्रशस्त करना पड़ता है। मैदानी इलाकों में से गुजरते हुए उसे सूर्य की चिलचिलाती, कठोर धूप की पीड़ा सहन करनी पड़ती है। इस प्रकार नदी नित नई बाधाओं का सामना करते हुए आगे की ओर बढ़ती है।	
4)	सुप्रसिद्ध कवि 'सोहनलाल द्विवेदी' जी ने 'फिर प्यारा त्योहार आ गया' कविता में दीपावली त्योहार के आनंदोत्सव की तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाने का संदेश दिया है। कवि कहते हैं कि आज पंद्रह अगस्त हमारे भारत देश की आजादी का दिन है। यह हमारे उत्साह का उत्सव है। जिस तरह हम अपने अन्य त्योहारों को मनाते हैं, उसी तरह स्वतंत्रता दिवस को मनाते रहना हमारा उतरदायित्व है। हम भारतवासी अपनी इस जिम्मेदारी से भली - भाँति परिचित है। इसीलिए आज पंद्रह अगस्त के दिन सभी देशवासी बड़े उल्लास से आजादी के उत्सव को मना रहे हैं। राष्ट्रीय पर्व पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की अपनी ही रौनक होती है। आज के दिन सभी घरों में तिरंगा लहरा रहा है। इन लहराते तिरंगों की शान अद्वितीय है। इस रंग - बिरंगे दृश्य की सुंदरता सभी भारतीयों के मन को मोह लेती है। इस समय ऐसा लगता है, जैसे सौ - सौ इन्द्रधनुष एक साथ निकल पड़े हो। इस प्रकार घर - घर लहराने वाले तिरंगों का वर्णन कवि ने बड़े ही मनमोहक ढंग से किया है।	**3**
उ.**3**.	**च) i) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य के रेखांकित विकारी या अविकारी शब्द का शब्दभेद लिखिए :**	
1)उ.	रामलाल - संज्ञा।	**1**
2)उ.	वाह ! - अव्यय।	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> अविकारी (अव्यय) शब्द का सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए :	
1)उ.	माँ को लेकर **<u>फौरन</u>** वांछित यात्रा पर चल पड़े।	**1**
2)उ.	वे जनता की थीं, जनता के **<u>लिए</u>** थीं।	**1**
	छ) निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों का कोष्ठक में दी गई सूचना के अनुसार काल - परिवर्तन कीजिए :	
1)उ.	बालक <u>उछला था।</u>	**1**
2)उ.	<u>कुष्ठरोगी</u> स्वास्थ्यलाभ <u>करते हैं</u>।	**1**
3)उ.	अपने आलोचकों की खोज में भ्रमण <u>कर रहे थे</u>।	**1**
	अथवा	

	निम्नलिखित वाक्यों में से <u>किन्हीं दो</u> वाक्यों के कालभेद पहचानिए :	
1)उ.	सामान्य भूतकाल	**1**
2)उ.	पूर्ण वर्तमानकाल	**1**
3)उ.	अपूर्ण वर्तमानकाल	**1**
	ज) i) निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों में से <u>किसी एक</u> वाक्य को शुद्ध कीजिए :	
1)उ.	गुस्सा <u>बेचारी</u> बच्ची <u>पर</u> उतार रहे हो !	**1**
2)उ.	सौभाग्य <u>की</u> बात <u>कि</u> गाड़ी समय पर <u>थी</u> ।	**1**
	ii) निम्नलिखित शब्दों में से <u>किसी एक</u> शब्द को शुद्धाक्षरी या हिंदी की मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए।	
1)उ.	तिरंगा	**1**
2)उ.	केंद्र	**1**
	झ) निम्नलिखित मुहावरों में से <u>किन्हीं दो</u> मुहावरों का अर्थ लिखकर स्वतंत्र एवं अर्थपूर्ण वाक्यों में प्रयोग कीजिए ।	
1)उ.	गुम-सुम बैठना – चुपचाप बैठना ।	**1**
	वाक्य : क्रांतिकारियों को प्राणदंड की सजा मिलने पर उनके परिवार वाले <u>गुम - सुम बैठ गए</u> ।	
2)उ.	त्यौरियों पर बल पड़ना – क्रोधित होना ।	**1**
	वाक्य : भारतीय सैनिकों की हत्या होने पर सरकार की <u>त्यौरियों पर बल पड़ने लगे</u> ।	
3)उ.	जवाब - तलब करना – उत्तर (स्पष्टीकरण) माँगना ।	**1**
	वाक्य : मंत्रीजी ने अधिकारियों से अव्यवस्था के बारे में <u>जवाब - तलब किया</u> ।	
उ.**4**.	**निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर रोचक एवं मुहावरेदार भाषा में लगभग 150 शब्दों में निबंध लिखिए :**	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 56 - Q.5	**6**
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 72 - Q.20	**6**
3)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 87 - Q.36	**6**
4)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 3- Page No. 91 - Q.41	**6**
उ. **5**.	**निम्नलिखित कार्यालयीन तथा व्यावसायिक पत्रों में से <u>किसी एक</u> पत्र का लिफाफे सहित प्रारूप (नमूना) तैयार कीजिए :**	
1)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 32 - Q.4	**4**
2)उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 1- Page No. 35 - Q.7	**4**
	अथवा	

	निम्नलिखित अपठित गद्यखंड पर आकलन हेतु ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक - एक वाक्य में हो :	
उ.	Refer MT Edu Solution - Hindi Booklet No - 2 - Page No. 18- Q.6	**4**

❖❖❖❖